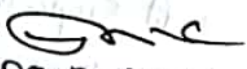


तारीख
दिनांक

दिल्ली 13 हागाजी (212)
10/2020

पक्षीन प्राणी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अस्वीकार कथान
 दोहराते हुये, प्रार्थना पत्र U.S. 212 सा. अ. अधि.
 स्वीकार करने का निवेदन किया। पैराग्राफर सरकार द्वारा
 जवाब प्रार्थना पत्र 212 अनुसार कथान दोहराये।
 उभयपक्षकारान को रतुना गया / बहस उभयपक्षकार
 एवं प्रार्थना पत्र के दस्तावेजी के गहन अवलोकन
 व मतन परस्वात् प्राणी द्वारा प्रस्तुत प्रा. पत्र अन्तर्ग
 चारा 212 सा. अ. अधि सतुलोच योग्य होने ले
 स्वीकार किया जाता है / अप्रार्थीगणों को इस आशय की
 स्वाधीनता के आश्वासन के पाबन्द किया जाता है, कि वे
 ताफैराला मूलबाद वादग्रस्त आराजीवात् पर प्राणी
 के हक डिस्से एवं अधिष्ठा की हद तक रक्षण रिपोर्ट
 व मौके की यथा स्थिति बनाये रखे / अप्रार्थीगणों को
 आदेशित किया जाता है कि वे प्राणीगणों के हक व
 अधिष्ठा की हद तक ताफैराला मूलबाद प्राणीगणों
 के कब्जे अस्त, उपयोग उपभोग मे किसी प्रकार
 से बेचात, दस्तांतरण, अर्पवाही, बेदखली आदि
 नती स्वयं करे और ना ही किसी अन्य से कराने का
 प्रयास करे। फ्रावती फैलल शुमार हो। नम्बर से
 कुमहोकर पखिल दस्तावेज हो।


 SDO, BHINAR
 उपखण्ड अधिकारी
 भिनाय (अजमेर) राज



Leader to Rep
 न्यायालय

दल्लाराम पुत्र दे

1. हागा
2. श्री
- 3.
- 4.
- 5.